NEWS CLIPPING: 05.03.2021

THE TRIBUNE

SELF-DEFENCE TRAINING PROGRAMME

Faridabad: In order to provide self-defence training to girl students in a more structured manner, the JC Bose University of Science and Technology, YMCA, here has signed an MoU with the Haryana Kickboxing Association (HKA). The association will conduct a certification 'Self-defense training programme' for girl students from the session 2021-22. Registrar Dr Sunil Kumar Garg and HKA General Secretary Santosh Kumar Agrawal signed the MoU. Describing self-defence skills as essential for girl students, Vice-Chancellor Dinesh Kumar said the main purpose of the training programme was to make girl students physically and mentally self-dependent so that they could face any challenge in life. It will help students boost their self-confidence and self-esteem. Besides, kickboxing is a recognised sport and students can also make their career in it, he added. Santosh said the association would provide coaching facilities to students and conduct a 40-hour practical oriented training programme. The performance of students will also be assessed on the basis of examination and assessment. Apart from self-defence training programme, the association also plans to conduct state and national-level tournaments or camps at the university to ensure participation of students in this sport.

The Tribune Fri, 05 March 2021
https://epaper.tribun

NEWS CLIPPING: 05.03.2021

HINDUSTAN

वाईएमसीए की ओर से चुनौती 2021 इनोवेशन चैलेंज प्रतियोगिता का आगाज, किसी भी कॉलेज के यूजी और पीजी छात्र ले सकेंगे हिस्सा

दिव्यांगों के लिए मददगार तकनीक ईजाद कर पुरस्कार जीत सकेंगे

मौका

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

दिव्यांगों के लिए मददगार साबित हो सकने वाला कोई भी इनोवेटिव विचार या तकनीक पेश कर छात्रों को प्रतिभा दिखाने के साथ ही पुरस्कार जीतने का मौका भी मिलेगा। दरअसल, जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए की ओर से जिले भर के कॉलेजों के लिए चुनौती-2021 सल्यूशंस फॉर दिव्यांगजन प्रतियोगिता कराई जा रही है। इसके तहत किसी भी संस्थान के छात्र विषय पर अपने विचार साझा कर सकते हैं। विश्वविद्यालय की ओर से प्रतियोगिता को लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

दिव्यांगों का जीवन आसान बनाने की पहलः विश्वविद्यालय के इनोवेशन सेल की ओर से की ओर से कराई जा रही इस प्रतियोगिता में दिव्यांगों का जीवन आसान बनाने वाली तकनीकों, उपायों और मॉडल्स को लेकर विचार आमंत्रित किए गए हैं। इसके बाद छात्रों के बेहतरीन विचारों के साथ उन्नत प्रयोग कर दिव्यांगों के लिए नवीन और उन्नत आविष्कार किए जा सकेंगे।

ये मिलेगा पुरस्कार

स्थान	धनराशि
पहला	10 हजार रुपये
दूसरा	05 हजार रुपये
तीसरा	03 हजार रुपये

इस लिंक पर भेजें विचार
tinyurl.com/chunautee21
मेल आईडीः
innovationcellymca@gmail.com
फोनः 9811076788, 9518090897

फरीदाबाद स्थित जेसीबोस यूनिवर्सिटी। ● फाइल फोटो

लिंक पर अपलोड किया गूगल फॉर्म

प्रतिभागी छात्रों को लिंक की मदद से सात मार्च तक नाम., ईमेल आईडी फोन नंबर, कॉलेज, विश्वविद्यालय जैसी जरूरी जानकारी के साथ विषय पर अपने सुझाव और विचार सॉफ्टकॉपी गूगल फॉर्म के जरिए भेजने होंगे। इसके लिए संबंधित लिंक पर गूगल फॉर्म अपलोड किया गया है। किसी भी विश्वविद्यालय और कॉलेज के छात्र इसमें भाग ले सकते हैं। वाईएमसीए ने 10 हजार से लेकर 3 हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की है।

छात्रों की प्रतिभा सामने लाने के लिए इनोवेशन सेल की ओर से समय-समय पर प्रतियोगिताएं कराई जाती हैं। इस प्रतियोगिता के जरिए छात्रों के इनोवेटिव और दिव्यांग फ्रेंडली तकनीक से जुड़े विचार पेश आमंत्रित किए गए हैं। छात्रों के इन विचारों के आधार पर दिव्यांगों के लिए बेहतरीन आविष्कार व तकनीक ईजाद की जा सकेंगी। – **प्रो दिनेश कुमार**, कुलपति, वाईएमसीए